

०१/०२/२३ पत्रावली पेश उपी। कोर्ट भी डायरी नहीं है
 वादी व वादी वकील को ब्याच-बाच आवाज लगाएंगे
 कोर्ट डायरी ही आए। वादी व वादी वकील के मातृपुत्र
 रचना आरु रस से पत्रावली अंक हाजिरी अंक
 पेटकी में खादि की जाती है। पत्रावली जाल सुका
 दोकर गम्बर से कम है। बाप शर्त दाखिल अपर।
 हा।

उपखण्ड अधिकारी
 बहरोड़ (अलवर) राज०